नुक्कड़ नाटक : सर्प-दंश प्रबंधन

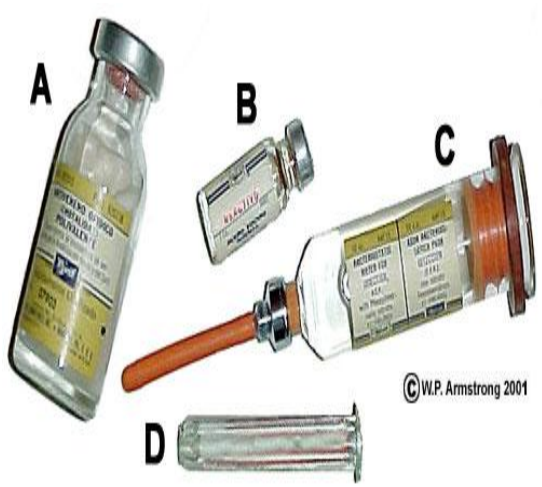

(# सर्प-दंश प्रवंधन की अज्ञानता सर्प दंश से मृत्यु दर को बढ़ता है)

आयोजक : राज्य आपदा मोचन बल (SDRF)
आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार

सर्प-दंश प्रबंधन

भारत में प्रतिवर्ष लगभग 46000 मृत्यु सर्प दंश से होती है.

(source: The American Society of Tropical Medicine and Hygiene – 2011 & The Registra General of India and the Centre for Global Health Research : 2003)

देश	विषैले सर्प	विषहीन सर्प	सर्प-दंश से मृत्यु	वर्ष
आस्ट्रेलिया	85%	15%	0	2009
अमेरिका	65%	35%	09	2009
भारत	15%	85%	46000	2009

भारत के सर्प दंश से मृत लगभग आधे से अधिक लोंगों की जान विषहीन साँप के काटने से होती है, अगर उन्हें सर्प-दंश प्रबंधन का ज्ञान होता तो मृत्युदर कम होता .. ..

भारत के 5 अत्यधिक जहरीले सर्प :

नाग (kobra)

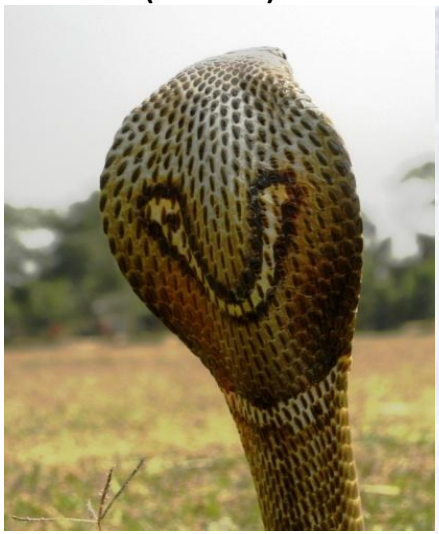

करैत

scaled वाइपर

✓विषैले सर्प में नाग और करैत बिहार में ज्यादा पाए जातें हैं, जबकि विभिन्न वाइपर सर्प राजस्थान और महाराष्ट्र में.

रैसेल वाइपर

पिट वाइपर

✓सर्वाधिक सर्पदंश की घटना केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडू, उड़ीसा और आसाम राज्यों में होती है.

✓प्रायः सोए हुए व्यक्ति को बिछावन पर करैत द्वारा दंश की घटना होती है, जो भारत में सबसे अधिक जहरीला है.

भारतीय विषहीन सर्प

धामन

दोमुहां जैसा साँप

अजगर

राजस्थानी बोआ

✓विश्व में लगभग ३००० तरह के सर्प पाए जातें है और भारत में लगभग ३०० तरह के.

✓भारत में लगभग 15% सर्प ही जहरीले हैं.

विषैला साँप के काटने की पहचान :

जहरीले दांत

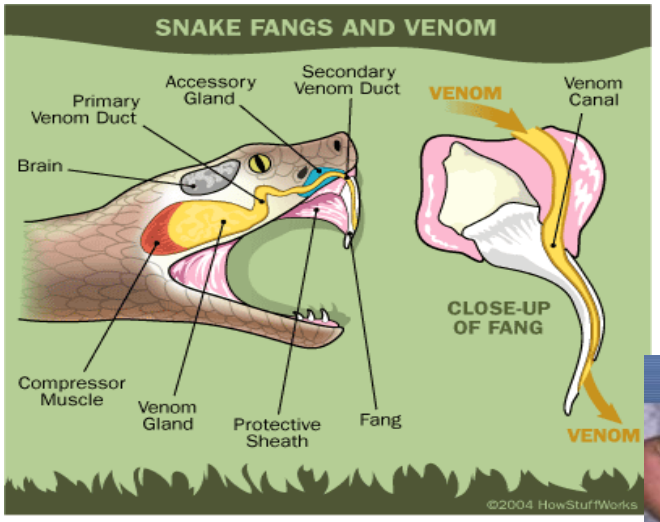

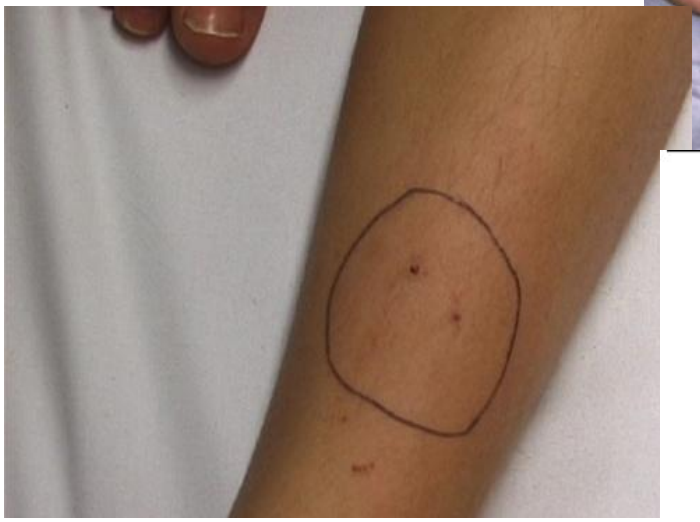

Poisonous snake

Non poisonous snake

जहरीले दांत के काटने का निशान :

विषैले औए विषहीन सर्प में अंतर:

Pit Viper

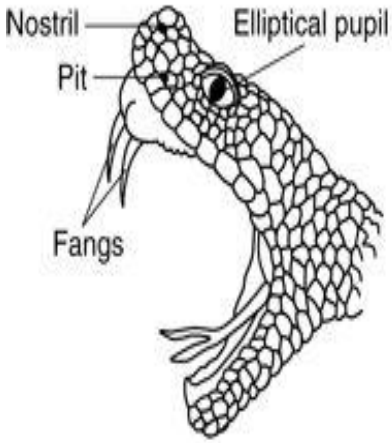

Nonvenomous Snake

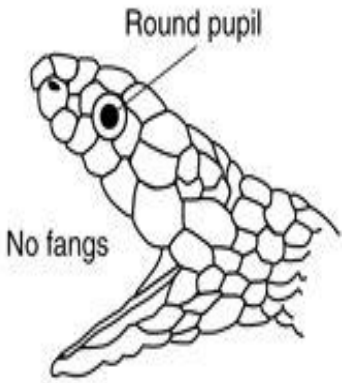

Triangular head

Rounded head

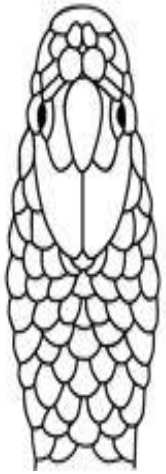

बनावट	जहरीले सॉप	विषहीन सॉप
सिर	त्रिकोण – (अपवाद कोबरा)	गोलाकार
सिर के सल्क	छोटा	बडा
बेली स्केल	फैला हुआ	छोटा पुरी चौडाई तक नही फैलता
फैंग (विषदंत)	उपस्थित	अनुपस्थित
पुतलियॉ	इलिप्टिकल पुतली	गोलाकार
एनल प्लेट	एक लाइन वाली प्लेट	दो लाइन वाली प्लेट
सॉप के आंख एवं नथुनों के बीच पिट या छेद	पिट वाइपर में उपस्थित	अनुपस्थित
बाइट का निशान	दंश का निशान	छोटे दॉतों की लाइन

सर्पदंश प्रबंधन

तुरन्त क्या करें ?

- काटे गये जगह को साबून पानी से घोए।
- **दांत के निसान की जांच करें, कही जहरीले सर्प के काटने का दो दंत का निशान तो नहीं ?**
- **काटे हुए अंग को ह्रदय के लेवल से नीचे रखें.**
- सर्प-दंश वाले अंग को immobilise (फिक्स) करें
- **बैंडेज (bandage) घाव पर और उसके ऊपर लगायें**
- घायल व्यक्ति को सांत्वना दें, घबराहट से ह्रदयगति तेज चलने से रक्त संचरण तेज हो जाएगा और जहर सारे शारीर में जल्द फ़ैल जायेगा.
- **तुरंत बड़े अस्पताल ले जाएँ**
- **यदि जहरीले सर्प ने काटा है तो Anti Venom snake –AVS का इजेक्शन डाक्टर से लगवाए .**

क्या न करें:

- बर्फ अथवा अन्य गर्म पदार्थ का इस्तेमाल काटे गये सिन पर न करें.
- Untrained व्यक्ति Turnikate टुर्निकेट न बाँधे। इससे संबंधित अंग में रक्त प्रवाह पूरी तरह रूक सकता है एवं संबंधित अंग की क्षति हो सकती है.
- काटे गये स्थल पर चीरा न लगाए। यह आगे नुकसान पहूँचाता है.
- घायल को चलने से रोकें.
- शराब/ नींद आने की कोई दवा नहीं दें.
- मुंह से कटे हुए स्थान को न चुसे.
- मंत्र या त्रंत्रिक के झांसें में न आयें.

सर्पदंश प्रबंधन

- **भय एवं चिन्ता न करे-** सभी साँप जहरीले नहीं होते।
- **सभी जहरीले साँपों के पास हर समय पूरा जहर नहीं होता अगर पूरा जहर हो तो भी वो इसका** lithal लिथल डोज हमेशा नहीं प्रवेश करा पातें हैं।
- साँप के काटने के उपरान्त काटने के निशान की जांच करें.
- **जॉच करें कि जहरीले या विषहीन साँप ने काटा है.**

  (नोट- विषहीन साँप के काटने से भी घाव के आसपास सुजन और खुजलाहट होती है)

- साँप के विष के अनुसार ANTI VENOM SNAKE (इंजेक्शन) लगवाया जाय.

जहरीले सर्प के काटने पर लक्षण:

स्पैक्टेक्लैड कोबरा

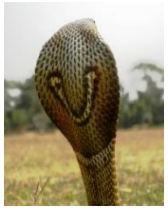

- Hemotoxic venom (रुधिर्तंत्र पर असर करने वाला जहर)
- काटे गए जगह पर दर्द
- नींद आना
- **सांस लेने में परेशानी**
  - **बंद होती पलकें**
    (Drooping eyelids- Ptosis.)
- **नेक्रोसिस (शरीर के** कोषिकाओं की मृत्यु)
- पक्षाघात Laprosis
- मुँह पर झाग का आना
- **निगलने में परेशानी**

• कामन करैत

•Hemotoxic venom (रुधिर्तंत्र पर असर करने वाला जहर)
•नींद आना
•सांस लेने में परेशानी
•**बंद होती पलकें**
(Drooping eyelids- Ptosis.)
•निगलने में परेशानी
•पक्षाघात Laprosis
•जी मिचलाना
•पेट में अत्यधिक दर्द

स्केल्ड वाइपर

•Cytotoxic venom **उत्तक को नष्ट करने वाला जहर**
•काटे गये स्थान पर जलन एवं दर्द ।
•पीठ के निचले भाग एवं लोइन (पसली एवं कमर के हड्डी के बीच वाली जगह) पर दर्द ।
•Hemorrhage के कारण आन्तरिक कोषिकाओं एवं ब्रह्मय कोषिकाओं में रक्तस्राव ।
•अत्यधिक सूजन ।
•काटे गये स्थान पर तेजी से जलन।
अत्यधिक नेक्रोसिस (**शरीर के** कोषिकाओं की मृत्यु)

Major Neurotoxic snakes include – BLACK MAMBA, GREEN MAMBA, CAPE COBRA, FOREST COBRA, SNOUTED COBRA, RINKHALS, SEA SNAKES.

- **दो कारण से सांप काटते हैं:**

1: आहार (भोजन) के लिए,

२: भय और आत्मरक्षा के लिए,

करैत के द्वारा बिछावन पर भी काटने की घटना होती है.

सांप को दूर रखने के तरीके:

साप के बील में कार्बोलिक एसिड डाल दें, उसके गंध से सांप दूर हो जातें हैं.

मुर्गी के चूजे और चूहे को घरों से दूर रखें.

- साप के काटने से मृत व्यक्तियों में से आधे से अधिक लोग विषहीन सर्प के काटने से मरते हैं.

सर्प दंस के बारे में जानकारी ही बचाव है.

Download from
Dreamstime.com
This watermarked comp image is for previewing purposes only.
ID 36001357
Convisum | Dreamstime.com

भूकंप के समय "सुरक्षा छद्म अभ्यास"
("Safty Mock Drill" during Earthquake)

झुको ढको पकड़ो

अगर घर में चौकी /टेबल न हों, तो घर के चौखट / कोनों में इसी अवस्था में सुरक्षित रहें.
भूकंप के समय बाहर न भागें.

बिहार सरकार

SDRF

बोट डूबते समय बचाव के तरीके

- ड्राई मेथड (Dry Method) बिना पानी में उतरे बचाने के तरीके:

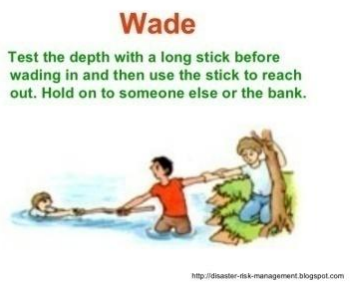

- **Wet** रेस्क्यू (पाने में जा कर बचाने के तरीके):

डूबता हुए व्यक्ति के पास जा कर डूबकी लगा कर उसके पीछे हो कर उसे बचा कर लाना,

-डूबते हुए को Chin लिफ्ट करके लाना,

-बांह पकड़ कर लाना,

-फेस को पकड़ का लाना,

तदोपरांत डूबते हुए के पेट से पानी निकालना और प्राथमिक उपचार देना.

डूबते हुए व्यक्ति का प्राथमिक उपचार
(Pre Hospital Treatment of drawning case)

DROWNING / WATER TRAUMA TREATMENT

BEFORE ATTEMPTING ANY RESQUE OR ASSISTANCE, ALWAYS ENSURE YOUR OWN SAFETY

SIGNS AND SYMPTOMS

- NO BREATHING
- ERRATIC BREATHING
- NO PULSE
- COLD AND CLAMMY SKIN
- NAIL BEDS, SLOW OR NO CIRCULATION
- MOUTH, NOSE OR SKIN BECOMING BLUE

TREATMENT

- ENSURE YOUR OWN SAFETY FIRST
- REMOVE PERSON FROM THE WATER
- NO BREATHING - DO ARTIFICIAL BREATHING
- NO PULSE - DO CPR
- IF BREATHING AND PULSE IS NORMAL & NO SPINAL INJURIES, PUT PERSON IN THE RECOVERY POSITION
- KEEP PERSON WARM
- MONITOR VITAL SIGNS
- GET PERSON TO HOSPITAL
- REPORT INCIDENT TO SUPERVIS

पेट से पानी निकलने की विधी:

बिहार सरकार

राज्य आपदा मोचन बल (SDRF)

आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार

बिहार में सुरक्षित बोट के कानून

बिहार में लागू "बंगाल नाव-घाट अधिनियम-1885" के अधीन आदर्श नियमावली-2011 के अनुसार बोट में निम्नलिखित सुरक्षा उपाय आवश्यक किया गया है, जिसे प्रत्येक बोट मालिक को लागु करना है:

- कोई भी व्यक्ति, चाहे स्वामी के रूप में या सेवक के, माल या यात्री ढोने के लिये, चाहे किराये पर या बिना किराये के, नियमित या, कभी–कभी, नदियों, नहरों, झीलों, जलभंडारों या अन्य जलाशयों में सेवा परिचालित नहीं करेगा, जबतक कि :
- (1) नाव के निबंधन /अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) न ले लिया गया हो. निबंधन संख्या न और स्थान बोट के दोनों तरफ अंकित होंगें.
- (2) प्रत्येक नाव को निवंधन अधिकारी द्वारा बोट को लम्बाई के अनुसार क्षमता Load capacity तय की जाएगी, और इस "लोड-लाइन" को बोट पर काले और सफ़ेद रंग से पैंट किया जाएगा.
- (3) ऐसे नाव में जमा पानी को पम्प करने, उलीचने अथवा अन्य रीति से निष्कासन के लिए पर्याप्त उपकरण और सुरक्षित नौकायन के लिए कारगर जमीनी एन्करिंग तथा अन्य उपकरण और आवश्यक प्रकाश श्रोत उपलब्ध हो.
- (4) नाव में न्यून्तम दो जीवन रक्षक छलले "LIFE BUOYA" एवं एक प्राथमिक चिकित्सा पेटी उपलब्ध हो.
- (5) यात्री–नाव के मामले में, सवार किए जा सकने वाले यात्रियों की अधिकतम संख्या मुख्य स्थान पर यात्रियों के सूचना हेतु चिन्हित की गयी हो.
- (6) सामान्यतः नाव सूर्योदय एवं सूर्यास्त के बीच परिचालित की जाएगीय परन्तु आपातस्थिति में विशेष प्रकाश–व्यवस्था के साथ अनुमोदित की जाएगी,
- (8) प्रत्येक परिचालित अनुज्ञापित नाव पर उसकी लाइंसेंस रखी जाएगी जिसे पुलिस या जिला दण्डाधिकारी द्वारा प्राधिकृत किसी पदाधिकारी द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत किया जाय.

✓नाव का निबंधन जिला परिवहन कार्यालय दवारा की जाती है. बिना निबंधित नाव और बिना सुरक्षा व बचाव उपकरणों के परिचालन करने वाले नाविक दंड के भागीदार हैं.